-----------------------------------------------------

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (55) खण्ड - {109}

-----------------------------------------------------

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें..........

प्रश्न 1- पतित बनाता है ?

A- पति

B- शरीर

C- मोह

D- लोभ

प्रश्न 2- शिवबाबा हमे राजयोग सिखाते हैं। जिसका फिर भक्ति मार्ग में नाम क्या रख दिया है ?

A- शास्त्र

B- गीता

C- प्राचीन राजयोग

D- श्रेष्ठ योग

प्रश्न 3- वेदों-शास्त्रों आदि की अर्थॉरिटी किस को कहेंगे ?

A- संन्यासियों को

B- शिवाचार्य को

C- शंकराचार्य को

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- बेहद की स्कॉलरशिप लेनी है तो अभ्यास करो -

A- पढ़ाने वाला है निराकार बाप।

B- मैं आत्मा, यह मेरा शरीर।

C- एक बाप के सिवाए और कोई भी याद न आये।

D- नष्टोमोहा बनने का ।

प्रश्न 5- सतयुग में कौन से सम्बन्ध नहीं होते ?

A- चाचा

B- काका

C- मामा

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- बुरे ते बुरा काम है -

A- विकार में जाना।

B- जिनको चलते-चलते माया हैरान कर देती है।

C- बेसमझ बन पड़ना।

D- बाप को फारकति दे देना।

प्रश्न 7- सर्व की सद्गति का स्थान कौन-सा है, जिसके महत्व का सारी दुनिया को पता चलेगा ?

A- शान्तिधाम

B- आबू भूमि

C- भारत

D- सुखधाम

प्रश्न 8- कौन सा ख्याल करो ?

A- संग ईश्वरीय सन्तानों से है।

B- अपनी बैटरी चार्ज करने का

C- मनमत पर चलना चाहिए

D- श्रीमत पर चलने का

प्रश्न 9- अब रामचन्द्र की पूजा करते हैं, उनको यह भी पता नहीं है कि राम कहाँ गया। पर तुम जानते हो -

A- कि श्रीराम की आत्मा तो जरूर पुनर्जन्म लेती रहती होगी।

B- यहाँ इम्तहान में नापास होती है। परन्तु कोई न कोई रूप में होगी तो जरूर ना।

C- यहाँ ही पुरूषार्थ करते रहते हैं। इतना नाम बाला है राम का, तो जरूर आयेंगे, उनको नॉलेज लेनी पड़ेगी।

D- A और C

E- A,B और C

प्रश्न 10- कौन सा चिंतन करना है ?

A- याद में रहने का

B- निराकारी सूष्टि का

C- सतोप्रधान बनने का

D- स्वयं के प्रति

प्रश्न 11- एकान्त में बैठ अभ्यास करना है -

A- हम आत्मा है.. आत्मा हैं।

B- मै आत्मा शान्त स्वरूप हूँ।

C- मैं मास्टर सर्वशक्तिमान हू।

D- मैं अवतरित आत्मा हूं।

प्रश्न 12- अन्तकाल में एक बाप की ही याद रहे। इस हाइएस्ट युक्ति को सामने रखते हुए कौन सा पुरूषार्थ करना है ?

A- किसी भी बात के चिंतन में अपना समय नहीं गँवाना है।

B- रूहानी सोशल वर्कर बनना है।

C- मैं आत्मा हूँ । इस शरीर को भूल जाना है।

D- झरमुई झगमुई में नहीं रहना है।

प्रश्न 13- पवित्रता अर्थात् -

A- ब्रह्मचर्य

B- सम्पूर्ण लगाव-मुक्त। किसी भी व्यक्ति वा साधनों से भी लगाव न हो।

C- धरत परिये धर्म न छोड़िये।

D- मन में भी कोई व्यर्थ संकल्प न हो।

प्रश्न 14- अपने को आत्मा नहीं समझेंगे तो -

A- पक्का नहीं बनेंगे।

B- जरूर लौकिक सम्बन्धी, धन्धा आदि ही याद आता रहेगा।

C- पुण्य आत्मा नहीं बनेंगे।

D- बाप को याद नहीं कर सकेंगे।

प्रश्न 15- सदा देही-अभिमानी कौन है ?

A- आत्मा

B- शिवबाबा

C- लक्ष्मी-नारायण

D- देवी- देवता

प्रश्न 16- किसी भी बात की फिकरात नहीं करनी है क्योंकि-

A- सब फिकरात बाबा को दे दी।

B- यह ड्रामा बिल्कुल एक्यूरेट बना हुआ है।

C- एक बाप का ही सिमरण करना है।

D- अपना पार्ट बजाना है।

-----------------------------------------------------------

भाग (55) खण्ड {109} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

-----------------------------------------------------------

उत्तर 1 - *A.पति*

बाप तुमको विश्व का मालिक बनाते हैं, ऐसे बाप को याद कर तुमको खुशी नहीं रहती है! तुम पूरा याद नहीं करते हो तब खुशी नहीं ठहरती है। *पति को याद करते खुशी होती है, जो पतित बनाते हैं*

उत्तर 2 - *B.गीता*

यह तो जानते हो कि सभी भक्ति मार्ग के शास्त्र हैं। मैं कोई शास्त्र थोड़ेही सुनाता हूँ। मैं तो तुमको मुख से सुनाता हूँ। *तुमको राजयोग सिखाता हूँ, जिसका फिर भक्ति मार्ग में नाम गीता रख दिया है।*

उत्तर 3 - *C.शंकराचार्य को*

बाप ही पतित-पावन सर्वशक्तिमान अथॉरिटी है। जैसे साधू-सन्त आदि जो भी हैं, उनको शास्त्रों की अथॉरिटी कहते हैं। *शंकराचार्य को भी वेदों-शास्त्रों आदि की अथॉरिटी कहेंगे*, उनका कितना भभका होता है।

उत्तर 4 - *C.एक बाप के सिवाए और कोई याद न आये*

मीठे बच्चे - *बेहद की स्कॉलरशिप लेनी है तो अभ्यास करो - एक बाप के सिवाए और कोई भी याद न आये''*

उत्तर 5 - *D.उपरोक्त सभी*

बाप समझाते हैं भाई-भाई समझो। यह है पिछाड़ी का सम्बन्ध फिर ऊपर भी भाइयों से जाकर मिलेंगे। फिर सतयुग में नया सम्बन्ध शुरू होगा। *वहाँ पर साला, चाचा, काका, मामा आदि बहुत सम्बन्ध नहीं होते।* सम्बन्ध बहुत हल्का होता है। फिर बढ़ता जाता है।

उत्तर 6 - *A.विकार में जाना*

आत्माओं को ही बाप बैठ पढ़ाते हैं। आत्माओं को ही राज्य मिलता है, आत्मा ने ही राज्य गँवाया है। इतनी छोटी-सी आत्मा कितना काम करती है। *बुरे ते बुरा काम है विकार में जाना।*

उत्तर 7 - *B.आबू भूमि*

*आबू भूमि है सबकी सद्गति का स्थान, जिसके महत्व का सारी दुनिया को पता चलेगा* तुम ब्रह्माकुमारीज़ के सामने ब्रैकेट में लिख सकते हो यह सर्वोत्तम तीर्थ स्थान है। सर्व का सद्गति दाता बाप और आदम (ब्रह्मा) यहाँ पर बैठकर सबकी सद्गति करते हैं।

उत्तर 8- *B.अपनी बैटरी चार्ज करने का*

“मीठे बच्चे - *अपनी बैटरी चार्ज करने का ख्याल करो* अपना टाइम परचिंतन में वेस्ट मत करो, अपनी घोट तो नशा चढ़े''

उत्तर 9- *E. A,B और C*

अब रामचन्द्र की पूजा करते हैं, उनको यह भी पता नहीं है कि राम कहाँ गया। *तुम जानते हो कि श्रीराम की आत्मा तो जरूर पुनर्जन्म लेती रहती होगी। यहाँ इम्तहान में नापास होती है। परन्तु कोई न कोई रूप में होगी तो जरूर ना। यहाँ ही पुरूषार्थ करते रहते हैं। इतना नाम बाला है राम का, तो जरूर आयेंगे, उनको नॉलेज लेनी पड़ेगी।*

उत्तर 10- *D.स्वयं प्रति*

किसी भी बात के चिंतन में अपना समय नहीं गँवाना है। *अपनी मस्ती में रहना है। स्वयं के प्रति चिंतन कर आत्मा

को सतोप्रधान बनाना है।*

उत्तर 11- *A.हम आत्मा है .... आत्मा है*

अभी वानप्रस्थ अवस्था है इसलिए बुद्धि से सब कुछ संन्यास कर एक बाप की याद में रहना है। *एकान्त में बैठ अभ्यास करना है - हम आत्मा हैं... आत्मा हैं।*

उत्तर 12- *C.मैं आत्मा हूं। इस शरीर को भूल जाना है।*

नर से नारायण बनने के लिए अन्तकाल में एक बाप की ही याद रहे। *इस हाइएस्ट युक्ति को सामने रखते हुए पुरूषार्थ करना है - मैं आत्मा हूँ। इस शरीर को भूल जाना है। *

उत्तर 13- *B.सम्पूर्ण लगाव-मुक्त। किसी भी व्यक्ति वा साधनों से भी लगाव न हो।*

इस परमात्म ज्ञान की नवीनता ही पवित्रता है। फलक से कहते हो कि आग-कपूस इकट्ठा रहते भी आग नहीं लग

सकती। विश्व को आप सबकी यह चैलेन्ज है कि पवित्रता के बिना योगी वा ज्ञानी तू आत्मा नहीं बन सकते। तो *पवित्रता अर्थात् सम्पूर्ण लगाव-मुक्त। किसी भी व्यक्ति वा साधनों से भी लगाव न हो।* ऐसी पवित्रता द्वारा ही प्रकृति को पावन बनाने की सेवा कर सकेंगे।

उत्तर 14- *B.जरूर लौकिक सम्बन्धी, धन्धा आदि ही याद आता रहेगा*

जब अपने को आत्मा समझेंगे तब ही परमपिता को याद करेंगे। *अपने को आत्मा नहीं समझेंगे तो फिर जरूर लौकिक सम्बन्धी, धन्धा आदि ही याद आता रहेगा* इसलिए पहले-पहले तो यह प्रैक्टिस होनी चाहिए कि मैं आत्मा हूँ तो फिर रूहानी बाप की याद ठहरेगी।

उत्तर 15- *B.शिवबाबा*

*देही-अभिमानी बनाने का हुनर एक शिव बाबा के पास है क्योंकि वह खुद सदा देही है, सुप्रीम है।* यह हुनर किसी भी मनुष्य को आ नहीं सकता।

उत्तर 16- *B.यह ड्रामा बिलकुल एकयूरेट बना हुआ है*

*किसी भी बात की फिकरात नहीं करनी है क्योंकि यह ड्रामा बिल्कुल एक्यूरेट बना हुआ है।* सभी एक्टर्स इसमें अपना-अपना पार्ट बजा रहे हैं।

-----------------------------------------------------

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (55) खण्ड - {110}

-----------------------------------------------------

प्रश्न 1- बाहर में भी वेजीटेरियन बहुत रहते हैं क्योंकि -

A- जरूर अच्छा है तब तो वेजीटेरियन बनते हैं।

B- शुध्द आहार है।

C- बच्चों को यही शिक्षा मिलती है।

D- वैष्णव होते हैं।

प्रश्न 2- शिवजयन्ती कब से मनाते हैं ?

A- द्वापर युग से।

B- इस संगमयुग के समय से मनाते हैं।

C- कलियुग शुरूवात से।

D- शिव बाबा के अवतरण से।

प्रश्न 3- सबसे इललीगल है -

A- काम विकार का भूत

B- देह-अभिमान का भूत

C- मायावी बनना

D- लोभ का भूत

प्रश्न 4- बाप का आशीर्वाद कैसे मिलेगा ?

A- पावन बनो तो

B- अव्यभिचारी याद करो तो

C- जितना बाप को प्यार से याद करेंगे उतना

D- अपने स्वधर्म में टिकने से

प्रश्न 5- संन्यासी कब आते हैं ?

A- द्वापर युग शुरू में

B- इस्लामी, बौद्धी के बाद में

C- क्रिश्चियन से कुछ पहले आते हैं।

D- B और C

प्रश्न 6- देवताओं के आगे अथवा शिवबाबा के आगे यह जाकर कहते हैं कि शान्ति दो क्योंकि-

A- आत्मा,का स्वधर्म शान्ति है।

B- वह अशान्त हैं।

C- शिवबाबा है शान्ति का सागर।

D- सब मनुष्यों को तो पहले शांति चाहिए।

प्रश्न 7- बड़े ते बड़ी यात्रा तुम्हारी यह है, जो -

A- स्वर्ग में आयेंगे

B- तुम पतित दुनिया से पावन दुनिया में जाते हो

C- निर्विकारी दुनिया की

D- निरंतर याद की यात्रा

प्रश्न 8- अभी तुम समझते हो तीर्थ यात्रा करना माना -

A- भक्ति मार्ग के धक्के खाना।

B- मूर्ति की पूजा करना

C- दुबन में फँसना

D- धन और समय व्यर्थ गंवाना

प्रश्न 9- इस नई दुनिया को पुरानी होने में कितने वर्ष लगते हैं ?

A- 5000 वर्ष

B- 2500 वर्ष

C- 100 वर्ष

D- 1250 वर्ष

प्रश्न 10- भक्ति मार्ग में चार धाम की यात्रा कब से करते हैं ?

A- जन्म-जन्मान्तर से

B- द्वापर युग से

C- भक्ति व्यभिचारी होती है तब से

D- कलियुग से

प्रश्न 11- यह तो गुड़ जाने, गुड़ की गोथरी जाने।गोथरी माना -

A- शिवबाबा

B- शरीर

C- ब्रह्मा

D- आत्मा

प्रश्न 12- अपनी जीवन सफल कैसे करनी है ?

A- बाप की सर्विस में

B- ज्ञान मिलता है उस पर विचार सागर मंथन करके

C- दिलपसन्द बन के

D- सब को बाप का परिचय देकर

प्रश्न 13- कहाँ भी जाओ किस का मन्दिर जरूर होगा ?

A- शिव का

B- विष्णु का

C- श्रीकृष्ण का

D- लक्ष्मी नारायण का

प्रश्न 14- पुरानी दुनिया खत्म होनी है। इसलिए -

A- स्वयं को संगमयुगी ब्राह्मण समझना है।

B- अपना सब कुछ सफल करना है। बहुतों के कल्याण के लिए,

C- सच्ची गीता सुननी और सुनानी है।

D- इसे देखते हुए भी नहीं देखना है।

प्रश्न 15- 84 जन्म कितने लोग लेगें ?

A- 2 कोटि

B- 16108

C- 9 लाख

D- 18 लाख

प्रश्न 16- मनुष्यों को पश्चाताप कब होगा ?

A जब उन्हें पता पड़ेगा कि इन्हें पढ़ाने वाला स्वयं भगवान है।

B- रूहानी यात्र नहीं करते।

C- कलियुग अन्त में।

D- विनाश के समय।

---------------------------------------------------------

भाग (55) खण्ड {110} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

---------------------------------------------------------

उत्तर 1- *A.जरूर अच्छा है तब तो वेजीटेरियन बनते हैं।*

मनुष्य तो यह भी नहीं समझते, वह तो कह देते आत्मा निर्लेप है। कुछ भी करो, कुछ भी खाओ-पियो, विकार में जाओ, कोई हर्जा नहीं। ऐसे भी सिखलाते हैं। कितनों को पकड़कर ले आते हैं। *बाहर में भी वेजीटेरियन बहुत रहते हैं। जरूर अच्छा है* तब तो वेजीटेरियन बनते हैं। सब जातियों में वैष्णव होते हैं। छी-छी चीज़ नहीं खाते हैं। मैनारिटी होते हैं। तुम भी मैनारिटी हो। इस समय तुम कितने थोड़े हो।

उत्तर 2- *B.इस संगमयुग के समय से मनाते हैं।*

ड्रामा का चक्र फिरते-फिरते अभी अन्त आकर हुई है। अन्त में बाप ही चाहिए। उनकी जयन्ती भी मनाते हैं।

*शिवजयन्ती भी इस समय (संगमयुग) मनाते हैं* जबकि दुनिया बदलनी है, घोर अन्धियारे से घोर रोशनी होती है अर्थात् दु:खधाम से सुखधाम होना है। बच्चे जानते हैं परमपिता परमात्मा शिव एक ही बार पुरूषोत्तम संगमयुग पर आते हैं, पुरानी दुनिया का विनाश, नई दुनिया की स्थापना करने।

उत्तर 3- *A.काम विकार का भूत*

एक ईश्वर की मत को ही लीगल मत कहा जाता है। मनुष्य मत को इलीगल मत कहा जाता। लीगल मत से तुम ऊंच बनते हो। परन्तु सब नहीं चल सकते हैं तो इलीगल बन पड़ते हैं। कई बाप के साथ प्रतिज्ञा भी करते हैं - बाबा इतनी आयु हमने इलीगल काम किये हैं, अभी नहीं करेंगे। *सबसे इलीगल है काम विकार का भूत।* देह-अभिमान का भूत तो सबमें है ही। मायावी पुरूष में देह-अभिमान ही होता है।

उत्तर 4- *C.जितना बाप को प्यार से याद करेंगे उतना*

जिन्होंने जास्ती याद किया होगा उन्होंने ही आशीर्वाद ली होगी। आशीर्वाद कोई मांगने की चीज़ नहीं है। यह तो मेहनत करने की चीज़ है। जितना जास्ती याद करेंगे उतना जास्ती आशीर्वाद मिलेगी अर्थात् ऊंच पद मिलेगा। याद ही नहीं करेंगे तो आशीर्वाद भी नहीं मिलेगी।तुम *जितना-जितना बाप को प्यार से याद करेंगे उतना आशीर्वाद मिलेगी,* पाप कटते जायेंगे"

उत्तर 5- *D. B और C*

यह है कांटों की दुनिया, वह है फूलों की दुनिया। वह भल संन्यास करते हैं परन्तु फिर भी कांटों की दुनिया में, जंगल में शहर से दूर-दूर जाकर रहते हैं। उन्हों का है निवृत्ति मार्ग, तुम्हारा है प्रवृत्ति मार्ग। तुम पवित्र जोड़ी थे, अभी अपवित्र बने हो। उनको गृहस्थ आश्रम भी कहते हैं। *संन्यासी तो आते ही बाद में हैं। इस्लामी, बौद्धी भी बाद में आते हैं। क्रिश्चियन से कुछ पहले आते हैं।* तो यह झाड़ भी याद करना है, चक्र भी याद करना है।

उत्तर 6- *C.शिवबाबा है शान्ति का सागर*

कहते हैं ना शान्ति देवा...... अर्थात् हमको इस सृष्टि से अपने घर शान्तिधाम में ले जाओ अथवा शान्ति का वर्सा दो। *देवताओं के आगे अथवा शिवबाबा के आगे यह जाकर कहते हैं कि शान्ति दो क्योंकि शिवबाबा है शान्ति का सागर। * अभी तुम शिवबाबा से शान्ति का वर्सा ले रहे हो। बाप को याद करते-करते तुमको शान्तिधाम में जाना है जरूर।

उत्तर 7- *B.तुम पतित दुनिया से पावन दुनिया में जाते हो*

अभी तुम जानते हो भक्ति मार्ग के तीर्थ यात्रा का अर्थ ही है नीचे उतरना, तमोप्रधान बनना। *बड़े ते बड़ी यात्रा तुम्हारी यह है, जो तुम पतित दुनिया से पावन दुनिया में जाते हो।* तो इन बच्चियों को कुछ तो शिवबाबा की याद दिलाते रहो। शिवबाबा का नाम याद है? थोड़ा बहुत सुनती हैं तो स्वर्ग में आयेंगी।

उत्तर 8- *A.भक्ति मार्ग के धक्के खाना*

अभी तुम भक्ति मार्ग को अच्छी रीति जान गये हो। घर में भी बहुतों के पास मूर्तियाँ होती हैं, चीज़ वही है, कोई-कोई पति लोग भी स्त्री को कहते हैं - तुम घर में मूर्ति रख बैठ पूजा करो। बाहर धक्का खाने क्यों जाती हो, परन्तु उन्हों की भावना रहती है। *अभी तुम समझते हो तीर्थ यात्रा करना माना भक्ति मार्ग के धक्के खाना।*

उत्तर 9- *A.5000 वर्ष*

अभी तुम बच्चे जानते हो यह पुरानी दुनिया अब खलास होनी है। *यह लड़ाई जो अब लगती है वह फिर 5 हज़ार वर्ष के बाद लगेगी।* यह सब बातें बुढ़ियायें तो समझ न सकें। यह फिर ब्राह्मणियों का काम है उन्हों को समझाना।

उत्तर 10- *C.भक्ति व्यभिचारी होती है तब से*

चार धाम क्यों कहते हैं? वेस्ट, ईस्ट, नार्थ, साउथ...... चारों का चक्र लगाते हैं। भक्ति मार्ग जब शुरू होता है तो पहले एक की भक्ति की जाती है, उसको कहा जाता है अव्यभिचारी भक्ति। सतोप्रधान थे, अभी तो इस समय हैं

तमोप्रधान। *भक्ति भी व्यभिचारी, अनेकों को याद करते रहते हैं।* तमोप्रधान 5 तत्वों का बना हुआ शरीर, उनको भी पूजते हैं। तो गोया तमोप्रधान भूतों की पूजा करते हैं,

उत्तर 11- *C.ब्रह्मा*

यह तो गुड़ जाने, गुड़ की गोथरी जाने। *गुड़ शिवबाबा को कहा जाता है, वह सबकी अवस्था को जानते हैं।उनकी गोथरी, जिस ब्रह्मा में वह आते हैं तो वह जाने और यह जानें। * हरेक की पढ़ाई से समझ सकते हैं - कौन कैसे पढ़ते हैं, कितनी सर्विस करते हैं।

उत्तर 12- *A.बाप की सर्विस में*

हरेक की पढ़ाई से समझ सकते हैं - कौन कैसे पढ़ते हैं, कितनी सर्विस करते हैं। *कितना बाबा की सर्विस में जीवन सफल करते हैं।* ऐसे नहीं, इस ब्रह्मा ने घरबार छोड़ा है इसलिए लक्ष्मी-नारायण बनते हैं। मेहनत करते हैं ना। यह नॉलेज बहुत ऊंची है। कोई अगर बाप की अवज्ञा करते हैं तो एकदम पत्थर बन पड़ते हैं

उत्तर 13- *A.शिव बाबा*

यहाँ ही बाप सारे विश्व को नर्क से स्वर्ग बना रहे हैं तो यही सबसे ऊंच ते ऊंच तीर्थ ठहरा। अभी इतनी भावना नहीं है सिर्फ एक शिव में भावना है, *कहाँ भी जाओ शिव का मन्दिर जरूर होगा।* अमरनाथ में भी शिव का ही है। कहते हैं शंकर ने पार्वती को कथा सुनाई। वहाँ तो कथा की बात ही नहीं। मनुष्यों को कुछ भी समझ नहीं है।

उत्तर 14- *B.अपना सब कुछ सफल करना है। बहुतों के कल्याण के लिए*

पुरानी दुनिया खत्म होनी है इसलिए *अपना सब कुछ सफल करना है। बहुतों के कल्याण लिए,* मनुष्यों को देवता बनाने के लिए यह पाठशाला वा म्युज़ियम खोलने हैं।

उत्तर 15- *C.9 लाख*

तुम ही पूरे 84 जन्म लेते हो। यथा राजा-रानी तथा प्रजा जो उस समय होंगे। *9 लाख तो पहले आयेंगे।* 84 जन्म 9 लाख तो लेंगे ना फिर दूसरे आते रहेंगे - यह हिसाब किया जाता है। जो बाप समझाते हैं। सब 84 जन्म नहीं लेते हैं, पहले-पहले आने वाले ही 84 जन्म लेते हैं फिर कम-कम लेते आते हैं। मैक्सीमम हैं 84, यह जो बातें हैं और कोई मनुष्य नहीं जानते। बाप ही बैठ समझाते हैं।

उत्तर 16- *A.जब उन्हें पता पड़ेगा कि इन्हें पढ़ाने वाला स्वयं भगवान है।*

*जब उन्हें पता पड़ेगा कि इन्हें पढ़ाने वाला स्वयं भगवान है तो उनका मुँह फीका पड़ जायेगा और पश्चाताप् करेंगे* कि हमने ग़फलत की, पढ़ाई नहीं पढ़ी।